कोहरा / वायु प्रदूषण का कारण और बचाव के उपाय

प्रदूषण

ज़ब हमारे पर्यावरण मे दूषित पदार्थ मिल जाते है तो उससे हमारे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ जाता है

और इसी पर्यावरण की असंतुलन अवस्था को हम प्रदूषण कहते है.

प्रदूषण कई तरह के होते है जेसे कि

- जल प्रदूषण
- वायु प्रदूषण
- भूमि प्रदूषण
- ध्वनि प्रदुषण
- उष्मीय प्रदुषण
- प्रकाश प्रदुषण

प्रदूषण हमारे जीव-जन्तुओं को नुकसान पहुंचाते हैं

वायु प्रदूषण

- हमारी पृथ्वी का वातावरण कई परतो से मिलकर बना है।

- पृथ्वी के नजदीक लगभग 50 km ऊँचाई पर स्ट्रेटोस्फीयर है जिसमें ओजोन की परत होती है।

- ओजोन की परत सूर्य के प्रकाश की पराबैंगनी (UV) किरणों को शोषित कर लेती है तथा उसे पृथ्वी तक पहुचने से रोकती है।

- आज ओज़ोन की परत तेजी से घट रही है जिसका मुख्य कारण हमारे वातावरण में क्लोरोफ्लोरो कार्बन (CFC) गैस का मौजूद होना है

- यह सर्वप्रथम 1980 के वर्ष में नोट किया गया की ओजोन की परत संपूर्ण पृथ्वी के चारों ओर घट रही है।

- दक्षिण ध्रुव के विस्तारों में ओजोन की परत 40%-50% तक घटी है।

- इस विशाल घटना को ओजोन छिद्र (ओजोन होल) कहतें है।

- मानवो के आवासों के विस्तारों से भी ओजोन छिद्रों के फैलने की संभावना बढ़ी है

वायु प्रदूषण

- ओज़ोन परत के घटने से ध्रुवीय प्रदेशों पर जमा बर्फ पिघलने लगी है जिससे मानव को अनेक प्रकार के चर्म रोगों का सामना करना पड़ रहा है।

- ओजोन परत के घटने का मुख्य कारण, रेफ्रिजरेटर और एयरकंडिशनर में उपयोग में होने वाली फ्रियोन (Frion) और क्लोरोफ्लोरो कार्बन (CFC) गैस है।

- आज हमारा वातावरण दूषित हो रहा है।

- सामान्यतः वायु प्रदूषण निम्नलिखित प्रदूषको से होता है।

CO (कार्बन मोनोआक्साइड)
SO_2 (सल्फर डाइआक्साइड)
CFC (क्लोरोफ्लोरोकार्बन)
NO (उद्योगों + मोटर वाहनों) - नाइट्रोजन आक्साइड)

- वायु प्रदूषण से धुएँ के जैसा वातावरण हो जाता है।

- धूल और मिटटी सांसो के साथ फेफड़ों में पहुंचकर कई प्रकार की गंभीर बीमारियां पैदा कर देती हैं।

वायु प्रदूषण

-वायु प्रदूषण से सर्दियों में कोहरा छा जाता है। जिसके कारण
प्राकृतिक दृश्यता कम हो जाती है।
आँखों में जलन होती है
साँस लेने में कठिनाई होती है।

वायु प्रदूषण के मुख्य कारण

- वाहनों से निकलने वाला धुआँ।
- औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला धुँआ तथा रसायन।
- आणविक संयत्रों से निकलने वाली गैसें तथा धूल-कण।
- जंगलों में पेड़ पौधें के जलने से, निकलने वाला धुआँ।
- कोयले के जलने से निकलने वाला धुआँ।
- तेल शोधन कारखानों आदि से निकलने वाला धुआँ।
- रेफ्रिजरेटर और एयरकंडिशनर में उपयोग में होने वाली फ्रियोन (Frion) और क्लोरोफ्लोरो कार्बन (CFC) गैस ।

वायु प्रदूषण का प्रभाव

- वायु प्रदूषण से मनुष्य, पशुओं तथा पक्षियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

- इससे दमा, सर्दी-खाँसी, अँधापन, श्रव का कमजोर होना, त्वचा रोग जैसी बीमारियाँ पैदा होती हैं।

- लंबे समय के बाद इससे जननिक विकृतियाँ उत्पन्न हो जाती हैं और यह अपनी चरमसीमा के पहुँचने पर घातक भी हो सकता है।

- वायु प्रदूषण से सर्दियों में कोहरा छा जाता है। जिसके कारण प्राकृतिक दृश्यता कम हो जाती है। तथा आँखों में जलन होती है व साँस लेने में कठिनाई होती है।

वायु प्रदूषण का प्रभाव

- वायु प्रदूषण के कारण ओजोन की परत तेजी से घट रही है जिससे जीन अपरिवर्तन, अनुवाशंकीय तथा त्वचा कैंसर के खतरे बढ़ रहे हैं।

- वायु प्रदूषण के कारण पृथ्वी का तापमान बढ़ता है, जिससे

CO_2 (कार्बन डाइ आक्साइड)

CH_4 (मीथेन)

NO (नाइट्रस आक्साइड)

का हानिकारक प्रभाव कम नहीं होता है

- वायु प्रदूषण से अम्लीय वर्षा के खतरे बढ़े हैं, क्योंकि बारिश के पानी में

SO_2 सल्फर डाई आक्साइड

NO नाइट्रोजन आक्साइड आदि जैसी जहरीली गैसे घुल जाती है जिससे

फसलों,

पेड़ों,

भवनों तथा

ऐतिहासिक इमारतों

नुकसान पहुँच है।

वायु प्रदूषण से बचाव के उपाय

- वायु प्रदूषण की समस्या से बचने के लिए यह जरूरी है कि विषैली गैस, उत्पन्न करने वाले कारखानों को आवास के स्थानों से कहीं दूर खुले स्थानों पर स्थापित किया जाए ताकि नगरवासियों को प्राकृतिक खुराक (आक्सीजन, प्राणवायु) प्राप्त होती रहे ।

- अधिक से अधिक पेड़ लगाए। (O_2)

-वनों की अंधा- धुंध कटाई पर रोक लगानी चाहिए ।

- सी -एन .जी. वाहनों का प्रयोग अनिवार्य कर देना चाहिए ।

- अधिक से अधिक बैटरी चालित वाहन का उपयोग किया जाना चाहिए ।

- रेफ्रिजरेटर और एयरकंडिशनर का उपयोग कम से कम करे ।

निष्कर्ष

- आज के मशीनी युग मे हम वायु प्रदूषण को बिल्कुल खत्म तो नहीं कर सकते है ।

- लेकिन इसका स्तर कम जरुर कर सकते है ।

- ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी चैन की सांस ले सके I और उनका बेहतर भविष्य बन सके I

- ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाए जाएं ।

- ताकि वायु प्रदूषण का स्तर कम हो सके एवम हम अन्य बीमारियों से बचे रहे ।

धन्यवाद